UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY, HALDWANI (NAINITAL)
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी (नैनीताल)

Diploma in Sanskrit Language Assignment
संस्कृत भाषा में डिप्लोमा का सत्रीय कार्य

जमा करने की अन्तिम तिथि - 15 मई, 2011

कोर्स शीर्षक : संस्कृत भाषा में ऐच्छिक पाठ्यक्रम **कोर्स कोड: इ0एस0एल0 - 01**

(प्रथम प्रश्न-पत्र)

सत्र – 2010–11 **अधिकतम अंक** – 40

भाग 'क'

भाग क में आठ लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये है, इनमें से केवल चार प्रश्नों के उत्तर देने है। प्रत्येक प्रश्न के लिये 5 अंक निर्धारित है, तथा प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक नही होना चाहिए।

1. गायत्री मंत्र का अर्थ लिखते हुये उसके महत्व को समझाइये।
2. देवी स्तुति का सार अपने शब्दों में लिखिए।
3. चटक-कुंजर (चिडिया-हाथी) कथानक का सार लिखिए।
4. भाषाओं के क्षेत्र विस्तार को समझाइये।
5. निम्नलिखित श्लोक का अर्थ लिखिए।

क) केयूरा न विभूषयन्ति पुरूषं हारा न चन्द्रोज्जवला:;
न स्नानं न विलेपनं न कुसुमं नालडकृतामूर्द्धजा:।
वाण्येका समलंकरोति पुरूषं या संस्कृता धार्यते,
क्षीयन्ते खलु भूषणानि सततं वाग्भूषणं भूषणम।।

ख) विद्या नाम नरस्य रूपमधिकं प्रच्छन्न – गुप्तं धनम्,
विद्या भोगकरी यश: सुखकरी विद्या गुरूणां गुरूं।
विद्या बन्धुजनो विदेश-गमने विद्या परं दैवतम्,
विद्या राजसु पूज्यते नहि धनं विद्या-विहीन पशु: ।।

ग) विपदि धैर्यमथाभ्युदये क्षमा
सदसि वाक्पटुता युधि-विक्रम:
यशसि चाभिरूचिर व्यसनं श्रुतौ
प्रकृति-सिद्धमिदं हि महात्मनाम् ।।

6. लोहतुला – वणिक्पुत्र कथा को संक्षिप्त रूप में समझाइये।
7. श्रीरामचन्द्र स्तुति का सार अपने शब्दों में लिखिए।
8. आवाहन मन्त्र व आचमनीय मन्त्र के श्लोक लिखकर अर्थ समझाइये।

भाग 'ख'

भाग ख में चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये है, इनमें से केवल दो प्रश्नों के उत्तर देने है। प्रत्येक प्रश्न के लिए दस अंक निर्धारित है।

1. संस्कृत और प्राकृत भाषा के सम्बन्ध की विवेचना कीजिए।
2. बक-कर्कटक कथा को विस्तार से समझाइये।
3. व्यास- नीतिवचनामृतम् के 1 से 10 तक श्लोकों को लिखते हुये अर्थ स्पष्ट कीजिए।
4. ऋग्वेद के स्वस्ति वाचन मन्त्रों को अर्थ सहित लिखिए।